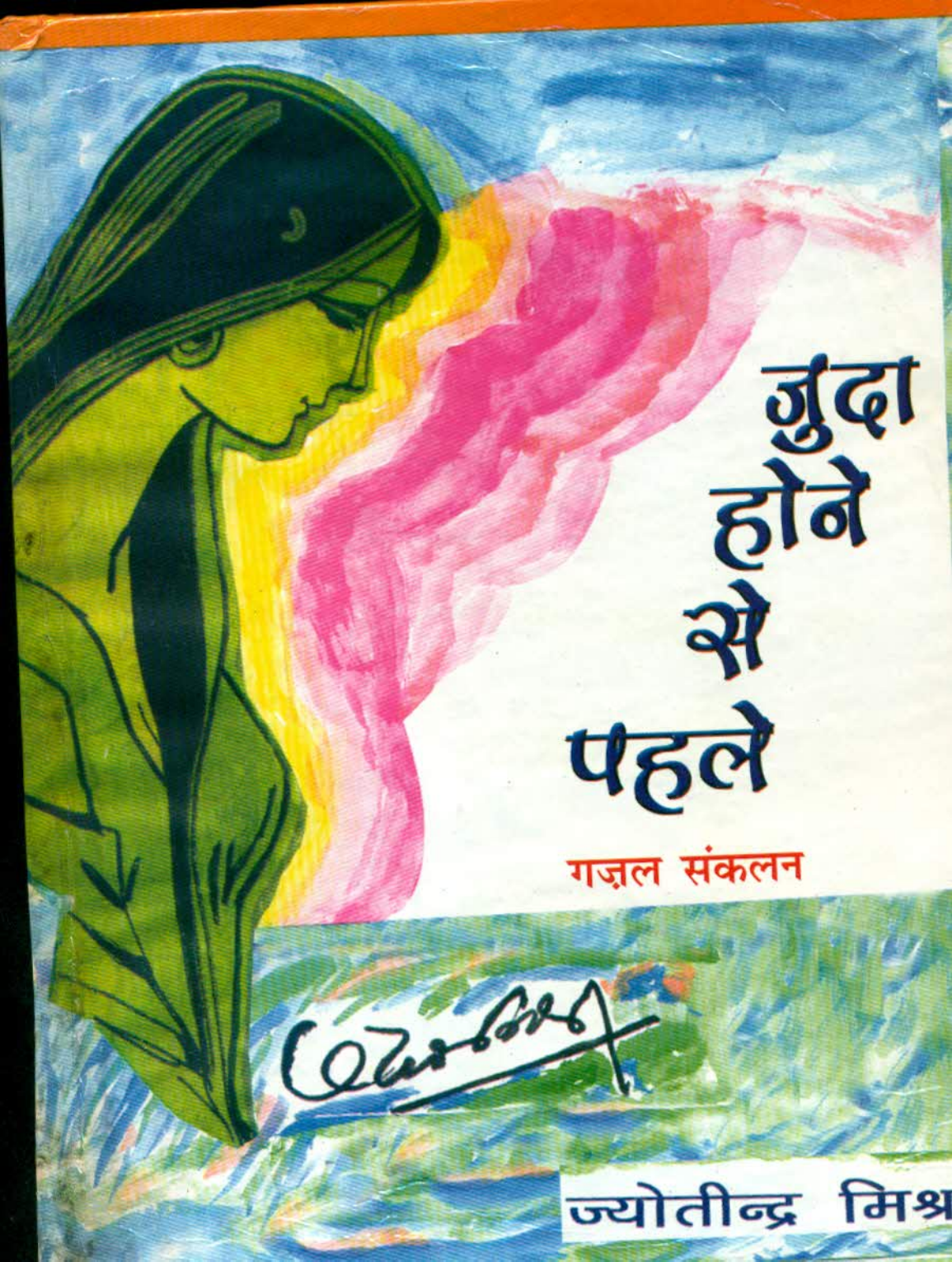
जुदा होने से पहले
गज़ल संकलन
ज्योतीन्द्र मिश्र

जुदा होने से पहले

गज़ल

(हिन्दी-उर्दू, भोजपुरी, मैथिली, एवं
गिधौरिया बोली की गजलों का संकलन)

ज्योतीन्द्र मिश्र

निर्मल प्रकाशन

गिधौरिया गज़ल

तीन टका में बरद किनय छहो मुखिया जी
बापहिं पूतहिं पंच बनय छहो मुखिया जी

बढ़ते बढ़ते डेग तोहर बामन सन भेल
जनता के तों देह नपय छहो मुखिया जी

ताड़ गाछ कें छाहीं में रहबए कत्ते दिन
पीपर के बिसवास छिनय छहो मुखिया जी

जंगल के महुआ चूनय छय केकरा लेल
आपन महुआ नय चुनय छहो मुखिया जी

सभे के एक दिन उल्टी गिन्ती होने छय
आपन गलती नय गिनय छहो मुखिया जी

की सुनबए दोसर कें तों रोना धोना
अपनों धड़कन नय सुनय छहो मुखिया जी।

गिधौरिया गज़ल

तोहर प्यार जे पइलक, ऊ दुनियां देखलक
तोहर सिंगार जे देखलक, ऊ दुनियां देखलक

तोहर नजर से चूअय छै, महुआ कें नशा
तोहर खुमार जे देखलक, ऊ दुनियां देखलक

तोहर नदी में छै बाढ़ के डुब्बा पानी
तोहर धार मे दहलक, ऊ दुनियां देखलक

तोहर देह पोरे पोर छै केतारी सन
तोहर कोलसार जे जोड़लक, ऊ दुनियां देखलक

तोहर बाहीं में जिअई छै मरय छै जे
तोहर कटार जे देखलक, ऊ दुनियां देखलक

तोहर हँसी सें तितभांट गमकए लगलय
तोहर बहार जे देखलक, ऊ दुनियां देखलक।

गिधौरिया गज़ल

एमकी फगुआ पांड़े मीरा जानि कें कंढी तोड़ि देलका
चुरुआ में गंगाजल नेने, घसगढ़नी पर छिड़कलका

साठि बरस कें बड़की भउजी कमर हिलाबय होली में
कमर के लुंगी खोलि बुतयलक, बड़का भइया भभकलका

छोटका साढ़ू जेठसारि के, अंचरा धयने कानय छै
साली जी के दालि में पड़िगेल, जीजाजी के छोंकलका

मास्टर साहब रोज पढ़ाबय, प्रेम पहाड़ा टीफिन में
मस्टरनी के याद रहय नय ब्लैक बोड पर लीखलका

नकली जेवर लगल दिखाबय, बुढ़वा देवर कोना में
नयकी भउजी तोपल झाँपल, आगि देखयलक धधकलका

हूर गनौरा, कादो किच्चड़, मुँह तकय छै होली में
सुनि लय टटका गजल गिधौरिया, पाछू सुनिहें बसियैलका

गिधौरिया गज़ल

आबय छै उजरका बगुला, पट-पट मछरी खाय छै
मूरी, पूछी, कांटा-कुस्सा अलगट्टे चिबाय छै

आहर पोखर नदी किनारा बगुला उतरय भोरे भोर
नमहर चोंच में चेंगा पोठिया दाबने भागल जाय छै

दौरय छै पानी के ऊपर, जरिको देह नय भींगय छै
जोगी जइसन धियान लगइने, मछरी कें भरमाय छै

देखय में छै जेतना सीधा ओतने बड़का हत्यारा
इहे जानि मछरी के मइया, कहियो नय शोक मनाय छै

पनघट-पनघट छिरिआएल छै मछरी के कंकाल
चाल चलन बगुला के अब त नेता सभ अपनाय छै

कत्ते दिन तोहें जान बचइभ, केतना दिन रखबए ईमान
तोरो आहर वगुलबा बैठत, हमरा इहय बुझाय छै

गिधौरिया गज़ल

आगू नाथ नय पीछू पगहा, लेरुआ उमकल जाय
दउरएत दउरएत गिरल धोरइया, लहरी में लपटाय

खुटट्ा तोड़लक, तगही तोड़लक भागल खेते खेत
करकी गइया पागुर छोड़लक, खल्ली चुन्नी न खाय

कोय नय बान्हल रहय ले चाहय, बुतरू चाहे बाछा
सभ चाहय छै छुटट्ा छोड़य, माय बाप भसियाय

अइसन पछिया चलल कि सूखल, पोरे पोर केतारी
चूहा घर में डंड पेलय छै, चखना मांगय बिलाय

पांडे, शालीग्राम कें रखने खोजय छथि ज़जमान
घरे घर में अंडा देखला, अकिले गेलन भुलाय

कहला में तो कोय न छौ, होतय केना गुजारा
हाली हाली मोटरी वान्हें चले गे नूनिया माय

गिधौरिया गज़ल

बालू पर बुलय छिअ, गरम भेलअ चानी
नददी में खोजय छिअ, चुइयां के पानी

ठेहुना भर खनलहुँ, हकसल पिआसल
जेतने खोनलिअई, पताल गेलय पानी

कंठ सुखल नदी सुखल , सूखल करेजा
जंगल के आगिन छै, प्यास के कहानी

फाटय छै धरती, तोहर छाती नय फाटय छौ
छाता त तोहर छौ, हम्मर छै कमानी

खून कें सुखईभो, त खूने बरसतउ
अइसनके होई छै इन्साफ़ आसमानी.

गिधौरिया गज़ल

छुतहर नय फूटय, नय अक्खज मरुआय
जिनगी छै अइसन कि जिअई लेल ललाय

थरिया के छोड़ल, सेराईल मड़धोनमा
अनचोटहीं दए छै, मुँह में उलटाय

घर भर के जुठठा, बसिया तेबसिया
राखय छै सरिअइने तइयो घिनाय

पड़ल रहय छै, बिगारय नय केकरो
मरनी हेरयनी में दय छै हटाय

माटी के हंड़िया, ई छुतहर होय गेल
जेना अक्खज के बूझय बकरी बलाय.

गिधौरिया गज़ल

एने ओने नय जा मेला के दिन छै
चढ़ल जुआनी झमेला के दिन छै

बनि ठनि कें नय जा बातो त मानऽ
मेला में मजनू के चेला के दिन छै

पातर पातर देह तोहर पातर एक पैरिया
पांतर में रस्ता भुलइला के दिन छै

भुलियो के नमरी नय अप्पन भजइहें
दुअन्नी, अधन्नी, अधेला के दिन छै

मेला में नुकल छिपल जाय छै जोगिनिया
नजरे नजर, नजरइला के दिन छै

गिधौरिया गज़ल

झालमूरी कें खोमचा रामा रामा, नेता के चमचा रामा रामा
करय हंगामा, कुरता पयजामा, जनता के गमछा रामा रामा

मइया बेआकुल रामा रामा, बेटवा हुल-हुल रामा रामा
गोइठा के बोरसी, देश के कुरसी, वोट के परचा रामा रामा

मउगी के झाड़ू रामा रामा, मेकडोवेल के दारू रामा रामा
झाड़ू खाय के दारू पी कें, अन्ना के चरचा रामा रामा

बाबू सिपाही रामा रामा, पइसा उगाही रामा रामा
धान के गाही, खेत में रहि गेल, घूस के खरचा रामा रामा

पांड़े के पूजा रामा रामा, मुर्गी के चूजा रामा रामा
मनता मानि कें, मांगने बूलय, करजा पइंचा रामा रामा